Roll No. ……..

BAJY–102

जन्म कुण्डली निर्माण

कला में स्नातक (बी. ए.–12/16) ज्योतिष

प्रथम वर्ष, परीक्षा, 2017

समय : 3 घंटा पूर्णांक : 70

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख', तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. रेवती नक्षत्र में भयात 15/40 तथा भभोग 59/16 है तो जन्म दशा भोग्यमान का साधन कीजिये।
2. रोहिणी नक्षत्र में भयात 32/39 तथा भभोग 66/35 हो तो योगिनी दशा भोग्यमान का साधन कीजिये।
3. भयात 25/45 तथा भभोग 56/20 है तो मृगशिरा नक्षत्र में जन्मे जातक का चन्द्र स्पष्ट कीजिये।
4. जन्मकुण्डली निर्माण का प्रयोजन बताते हुए मनुष्य पर पड़ने वाले इसके प्रभाव को स्वशब्दों में विवेचित कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सम और विषम राशि के भेद से ग्रहों की अवस्था (बालादि) को स्पष्ट कीजिये।
2. वराहमिहिरोक्त नैसर्गिक ग्रहमैत्री को बताइये।
3. ग्रहों की दीप्तादि अवस्था कितनी होती है ? वर्णन कीजिये।
4. किन-किन नक्षत्रों में बृहस्पति और राहु की दशा होगी ? स्पष्ट रूप से समझाते हुए लिखिये।
5. चन्द्र महादशा में शनि की अन्तर्दशा के वर्ष-मासादि ज्ञात कीजिये।
6. षडवर्ग कुण्डली के प्रयोजन को परिभाषित कीजिये।
7. ग्रहों के रश्मि साधन से क्या तात्पर्य है ?
8. यदि पलभा 5/30 है तो चरखण्ड को स्पष्ट करते हुए, स्वोदयमान ज्ञात कीजिये।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. शुक्र ग्रह की उच्च राशि है :

(अ) वृषभ (ब) तुला

(स) धनु (द) मीन

2. अष्टोत्तरी महादशा में कुल वर्ष संख्या होती है :

(अ) 18 (ब) 36

(स) 108 (द) 120

3. दशा का प्रारम्भ किस नक्षत्र से होता है ?

(अ) अश्विनी (ब) कृतिका

(स) रोहिणी (द) आर्द्रा

4. ग्रहों की गति किस दिशा में होती है ?

(अ) पूर्वाभिमुखी

(ब) पश्चिमाभिमुखी

(स) उत्तराभिमुखी

(द) दक्षिणाभिमुखी

5. मीन-मेष संक्रान्ति काल में ऋतु होती है :

(अ) बसन्त (ब) ग्रीष्म

(स) शरद (द) हेमन्त

6. शनि ग्रह की पूर्ण दृष्टि किस स्थान पर होती है ?

(अ) 1-7 (ब) 3-10

(स) 4-8 (द) 5-9

7. द्विसंक्रान्ति मास कहलाता है :

(अ) अधिमास (ब) क्षयमास

(स) सौरमास (द) मलमास

8. निम्नलिखित में से मूल संज्ञक नक्षत्र है :

(अ) भरणी (ब) कृतिका

(स) चित्रा (द) मघा

9. ज्योतिष शास्त्र को वेद पुरुष का कौन-सा अङ्ग माना गया है ?

(अ) हस्त (ब) पाद

(स) नेत्र (द) मुख

10. सौर मंत्रिमण्डल में बुध का स्थान है :

(अ) युवराज (ब) मंत्री

(स) भृत्य (द) राजा